Skill Development Programme

For Answer Writing

Polity (Model Answer)

DATE : 16-July-2018 **TIME : 06:30 pm**

मुख्य परीक्षा

प्रश्न- 'संविधान के 42वें संशोधन के द्वारा नागरिकों के लिए मौलिक कर्तव्यों का समावेश करके संविधान की एक बहुत बड़ी कमी को पूरा किया गया।' इस संदर्भ में मूल कर्तव्यों के महत्व को स्पष्ट कीजिए। (150 शब्द, 10 अंक)

'A mojor deficiency of Constitution was fulfilled by including fundamental duties for citizens through 42nd Constitutional Amendment.' In this reference explain the importance fundamental duties. (150 Words, 10 Marks)

MODEL ANSWER

उत्तर- भारतीय लोकतांत्रिक कल्याणकारी राज्य में मौलिक कर्तव्यों का महत्वपूर्ण स्थान है, जो संविधान में मूल कर्तव्य की स्थापना से मौलिक अधिकारों व कर्तव्य में संतुलन स्थापित करता है। मौलिक कर्तव्य व्यक्ति में सामाजिक दायित्व की भावना का संचार करता है। मौलिक कर्तव्य को स्वर्ण सिंह समिति की अनशंसाओं के आधार पर 42वें संविधान संशोधन अधिनियम, 1976 द्वारा अनुच्छेद-51(क) संविधान में जोड़ा गया, जिसमें प्रारम्भ में 10 व वर्तमान में 11 मौलिक कर्तव्य है।

इसके महत्व में-

- मौलिक कर्तव्यों द्वारा नागरिकों को यह निर्देश दिया गया है कि वे देश की सम्प्रभुता तथा अखण्डता की रक्षा करें। यदि सभी नागरिक निष्ठा एवं ईमानदारी से अपने इस कर्तव्य का पालन करें तो भारत की सम्प्रभुता और अखण्डता चिरस्थायी बनी रहेगी।
- मौलिक कर्तव्यों द्वारा नागरिकों को आह्वान किया गया है कि वे संकट के समय देश की सुरक्षा हेतु तन-मन-धन से अपना योगदान दें। साथ ही नागरिकों द्वारा वैज्ञानिक दृष्टिकोण अपनाए जिससे देश प्रगति की दिशा में आगे बढ़ेगा और विकसित राष्ट्रों की श्रेणी में आ जाएगा।
- मूल कर्तव्य राष्ट्र विरोधी एवं समाज विरोधी गतिविधियों, जैसे-राष्ट्र ध्वज को जलाने, सार्वजनिक संपत्ति को नष्ट करने के खिलाफ चेतावनी के रूप में करता है।
- भारत द्वारा अपनायी गयी लोकतांत्रिक शासन व्यवस्था तब तक सफल नहीं हो सकती, जब तक नागरिक लोकतांत्रिक संस्थाओं का आदर न करें, जिससे लोकतांत्रिक शासन व्यवस्था सुदृढ़ होगी।
- मौलिक कर्तव्यों में भारतीय नागरिकों को सद्भावना तथा भाईचारे की भावना बनाए रखने का निर्देश दिया गया है, साथ ही हिंसा से दूर रहने का परामर्श दिया गया है। ये निर्देश और परामर्श मानवीय दृष्टिकोण अपनाने और विश्व बंधुत्व की भावना को विकसित करने में सहायक सिद्ध होंगे।
- मौलिक कर्तव्यों का निष्ठापूर्वक पालन करने से समाज में स्त्रियों को सम्मान प्राप्त होगा, जिससे उनकी गरिमा में वृद्धि होगी और लिंग संबंधी भेदभाव समाप्त होकर समानता स्थापित होगी।

अंत में संक्षिप्त निष्कर्ष दें।

* * *

GS World Committed to Excellence